


तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जाय
22/11/19	<p>वकुलाय उपस्थित। अपील आपीलाण्ट 02 ने संशोधित शीर्षक पेश किया, जो आर.मि. 01 बहस के पत्रावली दि. 29/11/2019 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">अति. जिला कलेक्टर, पाली</p>	
29/11/19	<p>जी. आ. स. बाहर पधार है। पेशी इत्तवा हांकर पत्रावली दिनांक ————— 30/11/2019 ————— को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">अति. जिला कलेक्टर, पाली</p>	
30/11/19	<p>वकुलाय उपस्थित। बहस सुनी गयी पत्रावली वास्ते निर्णय दिनांक 20/02/2019 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">अति. जिला कलेक्टर, पाली</p>	
20/2/2019	<p>वकुलाय उपस्थित। बहस पर मनन तथा पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया। अपीलाण्ट द्वारा प्रस्तुत अपील का मुख्य आधार यह रहा कि जैर अपील विवादित आराज में से गोपाराम के हिस्से की भूमि उसके वारिशान द्वारा अपीलाण्ट के पक्ष में हकतर्क की जा चुकी थी। इसके बावजूद भी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील नामान्तरकरण के जरिये गोपाराम के वारिशान का नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया, जो विधि विरुद्ध हैं। अतः अपील स्वीकार करावें एवं जैर अपील आदेश अपास्त कराने का निवेदन किया। रिकॉर्ड के अवलोकन से यह प्रकट होता है कि गोराराम, कुताराम व गोपाराम के फौत होने के आधार पर दायर किया गया है। गोपाराम के वारिशान द्वारा अपने हिस्से की आराजी दिनांक 03.04.1995 को अपीलाण्ट संख्या 1 व अपीलाण्ट संख्या 2 से 5 के पति व पिता कुताराम के पक्ष में जरिये रजिस्टर्ड हकतर्क किया है। इस अनुसार जैर अपील विवादित आराजी में गोपाराम के वारिशान का हिस्सा शेष नहीं रहता हैं। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील नामान्तरकरण पर स्वीकृति आदेश पारित करने से पूर्व इसकी जांच ही नहीं की गई हैं। इस कारण जैर अपील नामान्तरकरण पर तहसीलदार सोजत द्वारा पारित स्वीकृति आदेश विधि सम्मत नहीं हैं।</p> <p style="text-align: right;">अति. जिला कलेक्टर, पाली</p>	

अति. जिला कलेक्टर, पाली

अतः अपील स्वीकार की जाकर ग्राम सोजत चक 11 के नामान्तरकरण संख्या 2390 पर तहसीलदार सोजत द्वारा पारित

तारीख	हुकम या कार्यवाही मय अनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>स्वीकृति आदेश दिनांक 29.03.2010 को अपास्त किया जाकर प्रकरण इन निर्देशों के साथ अधीनस्थ न्यायालय को प्रतिप्रेषित किया जाता है कि वे रजिस्टर्ड हकतर्कनामा दिनांक 03.04.1995 के अनुसार जांच कर विधि अनुसार नामान्तरकरण की कार्यवाही करें। निर्णय की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय का रेकॉर्ड लौटाया जावे। बाद पालना पत्रावली फैसल में शुमार होकर नम्बर से कम हो।</p> <p style="text-align: right;"> अतिरिक्त जिला कलेक्टर, पाली राज. • जिला कलेक्टर, पाली</p>	